

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पंवार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
यूजेवीएन लि०,
देहरादून।

प्रार्थ

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: 04 फरवरी, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में नावार्ड पोषित परियोजनाओं हेतु पूंजीगत व्यय हेतु रु० 5.61 करोड़ की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 104/यूजेवीएनएल/नि०(वित्त) दिनांक 19.12.2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नावार्ड पोषित जल विद्युत परियोजनाएं दुनाव, सुरिनगाड-द्वितीय एवं पैनागाड के निर्माण हेतु अंशपूजी एवं ऋण के रूप में रु० 5.61 करोड़ (रु० पाँच करोड़ इक्कसठ लाख मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय करने के लिए आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(रूपये करोड़ में)

क्रमांक संख्या	परियोजना का नाम	अंशपूजी के रूप में धन राशि	ऋण के रूप में धनराशि	कुल धनराशि
1.	दुनाव	1.00	1.13	2.13
2.	सुरिनगाड-द्वितीय	1.00	2.25	3.25
3	पैनागाड	—	0.23	0.23
	योग	2.00	3.61	5.61

- I. उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण बिलों पर जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही किया जायेगा तथा धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार किश्तों में किया जायेगा।
- II. अवमुक्त की जा रही धनराशि का किसी भी स्थिति में अन्यत्र विचलन न किया जाय। स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार ही आहरण किया जाय, साथ ही स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष यदि किसी कारण से कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2016 तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- III. स्वीकृत की जा रही धनराशि से सम्पादित कराये जाने वाले कार्यों के विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय, तदोपरान्त ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- IV. उक्त धनराशि का उपभोग दिनांक 31.03.2016 तक कर इसके प्रतिपूर्ति दावे तत्काल नावार्ड को प्रस्तुत कर दिये जायें तथा नावार्ड से धनराशि की प्रतिपूर्ति कराये जाने की प्रभावी कार्यवाही की जाय। धनराशि का योजनावार उपभोग प्रमाण पत्र एवं भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जाय।
- V. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।
- VI. व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, अधिप्राप्ति नियमों एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा।

- VII. योजनाओं हेतु पूर्व में अवमुक्त धनराशि व वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि योजना हेतु कुल स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही रहेगी।
- VIII. अग्रेत्तर धनावंटन का प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय परियोजनावार अनुमोदित लागत, टेण्डर उपरान्त कुल न्यूनतम लागत राशि, लागत के सापेक्ष वित्त पोषण स्रोतवार धनराशि, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, कुल प्रतिपूर्ति हेतु अंशपूजी, कुल दावों की धनराशि तथा इन दावों के सापेक्ष नावार्ड से प्राप्त कुल धनराशि के विवरण प्रस्तुत किये जायेंगे।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 21 के लेखाशीर्षक 4801-01-190-06-30 निवेश/ऋण में रु0 2.00 करोड अंशपूजी के रूप में तथा लेखाशीर्षक 6801-01-190-04-30 निवेश/ऋण में रु0 3.61 करोड ऋण के रूप में डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 973 /XXVII(2)/2016, दिनांक 18 फरवरी, 2016 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0 उमाकान्त पंवार)
प्रमुख सचिव।

संख्या: 37/ ⁷⁴⁴ /I(2)/2016-04/03/2012, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को उपरोक्त वर्णित संलग्न सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- महालेखाकार, आडिट इन्दिरा, नगर देहरादून।
- 3- सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 4- निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 7- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- प्रभारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 10- गार्ड फाईल हेतु।

आज्ञा से,

(सतोष बडोनी)
उप सचिव।